तापमान
अधिकतम 39 .5 डिग्री
न्यूनतम 19 .0 डिग्री

हरिभूमि
# रेवाड़ी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 13 मई 2025



11 महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं पर अमल करने का संकल्प...

12 रात के अंधेरे में डाल रहे केमिकल कचरा आग...

## खबर संक्षेप

### ट्रेन में यात्री का लैपटॉप व सामान चोरी

**रेवाड़ी।** बीकानेर से दिल्ली सराय रोहिल्ला ट्रेन से जा रहे एक यात्री का लैपटॉप व अन्य सामान चोरी हो गया। जीआरपी को दर्ज शिकायत में बीकानेर निवासी सन्नी यादव ने बताया कि वह टेन से बीकानेर से दिल्ली सराय रोहिल्ला जा रहा था। लोहारू रेलवे स्टेशन के पास किसी ने उसका लैपटॉप, टैबलेट, मोबाइल फोन व अन्य सामान चोरी कर लिया। दिल्ली सराय रोहिल्ला से मिली जीरो एफआईआर के आधार पर जीआरपी ने चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

### पांच किसानों के ट्यूबवेल पर चोरी

**रेवाड़ी।** कसोली गांव में चोर पांच किसानों के ट्यूबवेल से बिजली की केबल व नोजल चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में मदनलाल ने बताया कि उसके खेत से चोर सोलर सिस्टम की केबल व फव्वारा नोजल चोरी कर ले गए। पूछताछ करने पर पड़ोस में रहने वाले कसोली निवासी सतबीर, बखापुर निवासी संतराम, सहीराम व महीपाल ने बताया कि चोर उनके ट्यूबवेल से भी बिजली की केबल व फव्वारा नोजल चोरी कर ले गए हैं। कसोला पुलिस ने उसकी शिकायत पर मौका मुआयना करने के बाद चोरी का केस दर्ज कर लिया।

### जुआ खेलने के आरोप में दो गिरफ्तार

**बावल।** बनीपुर चौक पर एक चाय के खोखे के पास ताश के रूप में जुआ खेलते दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार रेवाड़ी के न्यू आदर्श नगर निवासी लालसिंह व परशुराम कॉलोनी निवासी भारत चाय के खोखे के पास जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर दोनों को काबू कर दिया। उनके कब्जे से जुए के पांच सौ रुपये और ताश की पत्तियां बरामद हुईं। आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद जुआ अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया गया।

### मारपीट व कब्जा करने का आरोपी काबू

**बावल।** पुलिस ने पातुहेड़ा में मारपीट व कब्जा करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। अस्पताल में उपचाराधीन पीड़ित पक्ष के बयान पर पुलिस ने 7 मई को बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित ने मारपीट व कब्जा करने के आरोप लगाए थे। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने गांव निवासी शीशराम को इस मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपी को तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

### सेक्टर-6 में घर के अंदर खड़ी बाइक ले गए चोर

**धारूहेड़ा।** सेक्टर-6 में चोर रात के समय एक घर में खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में सेक्टर निवासी दीपक शुक्ला ने बताया कि उसने अपनी बाइक रात को घर के अंदर खड़ी की थी। सुबह जब वह उठा तो उसे बाइक नहीं मिली। इसके बाद उसने आसपास पूछताछ की। काफी पूछताछ करने के बाद भी बाइक कोई पता नहीं चला। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद बाइक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

### सती कॉलोनी में बुजुर्ग घर से लापता, केस दर्ज

**रेवाड़ी।** सती कॉलोनी से करीब 77 वर्षीय बुजुर्ग घर से लापता हो गया। सिटी पुलिस को दर्ज शिकायत में कमल राकेश शर्मा ने बताया कि उसका पिता नंदकिशोर शर्मा 10 मई को दोपहर के समय बिना बताए घर से चला गया। शाम तक वापस नहीं आने के बाद उसने अपने पिता का पता लगाने के प्रयास शुरू किए। रिश्तेदारियों व दूसरे स्थानों पर पूछताछ करने के बाद भी उसके पिता का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने बुजुर्ग का पता लगाने के प्रयास शुरू किए।

---

### विधायक लक्ष्मण व बावल विधायक डा. कृष्ण ने डीसी मीणा के साथ 1.5 करोड़ के वितरित किए खेल उपकरण

# 127 ग्राम पंचायतों और शहरी क्षेत्रों को मिले खेल उपकरण, खिलाड़ियों की खेलों में निखरेगी प्रतिभा

**राव तुलाराम स्टेडियम में छह माह में 11 करोड़ की लागत से सिंथेटिक ट्रैक तैयार किया जाएगा**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

खेल विभाग की ओर से सोमवार को राव तुलाराम स्टेडियम परिसर में हरियाणा खेल उपकरण प्रावधान योजना के तहत रेवाड़ी विधानसभा व बावल विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों व शहरी क्षेत्रों के लिए करीब 1.5 करोड़ रुपये की कीमत के खेल उपकरण का वितरित किए गए।

विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, विधायक बावल डा. कृष्ण कुमार व डीसी अभिषेक मीणा ने योजना के तहत गांवों व शहरी क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को खेल उपकरण प्रदान किए। इस मौके पर विधायक लक्ष्मण सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए बेहतर खेल सुविधाएं प्रदान कर रही हैं, जिससे खिलाड़ियों को मार्गदर्शन भी मिल रहा है। सरकार का खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के साथ ही बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने पर भी पूरा फोकस है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा के खिलाड़ी आज दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे हैं। प्रदेश के हर क्षेत्र में खेल प्रतिभा अनुरूप खेल नर्सरियां विकसित की गई हैं और हर खेल में खिलाड़ियों को तराशते हुए उन्हें दुनिया में अपनी पहचान कायम करने के लिए खेल क्षेत्र में सहयोग दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में सभी गांवों में व्यायामशालाएं खोली गई हैं, साथ ही ओपन जिम भी स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि खेल हमें जीवन जीना सिखाते हैं और मैदान जीवन को श्रेष्ठ बनाता है। शिक्षा के साथ-साथ खेल के मैदान में भी हमारे युवा आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि राव तुलाराम स्टेडियम में आगामी छह माह में 11 करोड़ की लागत से सिंथेटिक ट्रैक तैयार किया जाएगा। कार्यक्रम में रेवाड़ी विस क्षेत्र के 28 ग्राम पंचायतों व नगर परिषद के 3 वार्डों के लिए खिलाड़ियों के लिए खेल उपकरण प्रदान किए गए। इस अवसर पर साइक्लोथॉन 2.0 में साइकिल यात्रा पूरी करने पर गांव रसूली निवासी संजीत कुमार को भी साइकिल भेंट कर सम्मानित किया गया।

**रेवाड़ी।** राव तुलाराम स्टेडियम में ग्राम पंचायतों को खेल सामग्री वितरित करते विधायक लक्ष्मण सिंह, विधायक डा .कृष्ण कुमार व डीसी अभिषेक मीणा। फोटो : हरिभूमि

#### खेल उपकरणों का सदुपयोग करें पंचायतें: डीसी

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि प्रशासन केंद्र व प्रदेश सरकार की जनहितकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से क्रियांवित करने के लिए सक्रिय भूमिका अदा कर रहा है। खिलाड़ियों को खेल उपकरणों का पूरा लाभ उठाना चाहिए। सभी पंचायतें खेल उपकरणों का सद्धुपयोग करें ताकि गांव के युवा खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए नशे जैसी कुरीतियों से दूरी बनाए रखे।

#### सरकार प्रोत्साहित कर रही: डा. कृष्ण कुमार

बावल के विधायक डा. कृष्ण कुमार ने कहा कि प्रदेश में नायब सरकार खिलाड़ियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में समान विकास की विचारधारा से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने और शिक्षा के साथ खेलों में भी अपनी भागादारी बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेलों में भाग लेने वाले युवाओं को नौकरी व पुरस्कार भी प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने बावल विस क्षेत्र की 99 ग्राम पंचायतों व बावल नगर पालिका के दो वार्डों के लिए वालीबॉल, बॉक्सिंग, हैंडबॉल, कुश्ती, जुड्डों, क्रिकेट व फुटबॉल खेलों का सामान वितरित किया।

#### इन गांवों व वार्डों को दिए खेल उपकरण

जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी ममता यादव ने बताया कि योजना के तहत रेवाड़ी विधानसभा क्षेत्र की 28 ग्राम पंचायतों व नगर परिषद के 3 वार्डों तथा बावल विधानसभा क्षेत्र की 99 ग्राम पंचायतों व बावल नगर पालिका के दो वार्डों के लिए वालीबॉल, बॉक्सिंग, हैंडबॉल, कुश्ती, जुडों, क्रिकेट व फुटबॉल खेल का सामान वितरित किया गया है। उन्होंने बताया कि रेवाड़ी विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत डूंगरवास, फदनी, तुर्कियावास, खटावली, ततारपुर इस्तमुरार, गिंदोखर, बामड़, बीकानेर, ढोहकी, माढिया कलां, बुढ़ाना, शेखपुर सिकारपुर, पदैयावास, कालूवास, माजरा श्योराज, हजारीवास, जैतपुर, लिसाना, बूढ़पुर, काकोड़िया, डाबड़ी, गोकलपुर, जांटी, रामगढ़, लाधूवास अहीर, शहबाजपुर खालसा, किशनगढ़, सालावास, बुढ़ानी तथा नगरपरिषद रेवाड़ी के वार्ड नंबर-4, 12 व वार्ड नंबर-23 के लिए खेल का सामान वितरित किया गया। इसके अलावा बावल विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत टांकडी, नांगल तेजू, खेड़ा मुरार, नांगल शहबाजपुर, सुठानी, मोहनपुर, रणसी माजरी, आनंदपुर, खंडौड़ा, धारण, ड्योढई, रूध, रायपुर, बनीपुर, सांझरपुर, सैदपुर, केशोपुर, बधराना, हरचंदपुर, जलालपुर, जालियावास, चिरहाड़ा, कमालपुर, दुल्हेड़ा कलां, गुजरीवास, जयसिंहपुर खेड़ा, धरचाना, खरखड़ी, बेरवाल, कालड़ावास, प्रागपुरा, तिहाड़ा, सुलखा, टीकला, नरसिंहपुर गढ़ी, आसलवास, खुर्मपुर, प्राणपुरा, खेड़ी डालूसिंह, रघुनाथपुर, मोहम्मदपुर, बिदावास, रामसिंहपुरा, रसियावास, पातुहेड़ा, पावती, दुल्हेड़ा खुर्द, नांगल उगरा, रानौली, पाली, मनेठी, बवाना गुर्जर, खोल, कोलाना, पाड़ला, राजपुरा इस्तमुरार, बलवाड़ी, ढाणी राधा, भांडौर, हरजीपुर, गोठड़ा टप्पा खोरी, पुंसिका, गोलियाका, पीथड़ावास, चिमनावास, मामड़िया अहीर, मामड़िया आसमपुर, खालेटा, मायन, नांधा, टींट, प्राणपुरा, सुंदरोज, ढ़ाणी सुंदरोज, शहबाजपुर इस्तमुरार, बासदुधा, नांगल जमालपुर, मामड़िया ठेठर, चीताडूंगरा, ढाणी शोभा, कुंडल, कुंड, बगथला, कसौली, खिजूरी, पांचौर, आसियाकी टप्पा जड़थल, सांपली, खेड़ी मोतला, बोलनी, देवलावास, खरसानकी, नंगली गोधा, करनावास, जाटूवास, बिठवाना व ततारपुर खालसा सहित नगर पालिका बावल के वार्ड नंबर 7 व वार्ड नंबर 2 को खेलों का सामान वितरित किया गया। इस अवसर पर एसडीएम सुरेन्द्र सिंह, एसडीएम बावल उदय सिंह, उप निदेशक खेल विभाग गुरुग्राम मंडल गिरिराज, कोच चरण सिंह व भाजपा नेता अनिल रायपुर सहित जिले के विभिन्न गांवों के सरपंच-पंच व वार्ड पार्षद मौजूद थे।

---



**रेवाड़ी।** पुलिस लाइन परिसर में सफाई करते पुलिसकर्मी।

## पुलिसकर्मियों ने पुलिस लाइन थाना व चौकी में किया श्रमदान

- जवानों ने पुलिस लाइन के मैदान व पार्क के अलावा थाना व चौकी में कचरे को इकट्ठा किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला पुलिस की ओर से सोमवार को पुलिस लाइन परिसर में साफ-सफाई करके श्रमदान किया गया। इसके अलावा पुलिस ने थाना व चौकियों में भी सफाई अभियान चलाया। सभी थाना प्रभारियों व कर्मचारियों ने श्रमदान के महत्व को समझा। सफाई अभियान में महिला पुलिस कर्मचारियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।

पुलिस के जवानों ने पुलिस लाइन के मैदान व पार्क के अलावा थाना व चौकी में कचरे को इकट्ठा किया। पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र मीणा ने कहा कि सभी को अपने आसपास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। श्रमदान स्वेच्छा से जुड़ा हुआ कार्य है, जिसमें सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को तन-मन से भाग लेना चाहिए। एसपी ने कहा कि जिस वातावरण में हम रहते हैं, उसका सीधा असर हमारी मानसिक व शारीरिक स्थिति पर पड़ता है, इसलिए प्रत्येक दिन सबसे पहले अपने आसपास की सफाई करें। श्रमदान से प्रत्येक नागरिक के मन में सरलता, विचारों की जटिलता से मुक्ति और स्वच्छता व हरित पर्यावरण का महत्व विकसित होता है।

## जूस की दुकान पर रखा था बैग जेवरात से भरा पर्स हुआ चोरी

- एसपी के आदेश पर केस दर्ज
- पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

लगभग एक माह पूर्व बावल बस स्टैंड के पास जूस की दुकान पर रखे महिला के बैग से जेवरात का पर्स चोरी हो गया। पुलिस को मौके पर बुलाया गया, लेकिन पुलिस ने पर्स बरामद कराने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाए।

महिला ने इस संदर्भ में एसपी को शिकायत दर्ज कराई, तो पुलिस को केस दर्ज करना पड़ा। एसपी को दर्ज शिकायत में डोहकी निवासी शीला देवी ने बताया कि वह 13 अप्रैल को बेटी शवि के साथ अपने मायके तिहाड़ा जा रही थी। वह बस में बैठकर बावल पहुंची थी। भीड़ ज्यादा होने के कारण उसने अपना मंगलसूत्र, कानों की झुमकी व बेटी के जेवरात निकलवाकर पर्स में रखे थे। बाद में पर्स बैग में रख लिया। महिला ने बताया कि बावल पहुंचने के बाद वह अपने भाई का इंतजार करने के लिए जूस की दुकान पर बैठ गई। उसके भाई के आने के बाद वह कार में बैठकर तिहाड़ा के लिए चल पड़ी। रास्ते में उसे पता चला कि उसका बैग जूस की दुकान पर ही रह गया है। उसके भाई ने कार वापस की। वह जूस की दुकान पर पहुंची, तो बैग वहां रखा हुआ मिल गया। बैग से जेवरात का पर्स गायब मिला। जब उसने जूस की दुकान चलाने वाले से पूछताछ की, तो उसने कोई जानकारी होने से मना कर दिया।

#### समय पर नहीं पहुंच पाई थी पुलिस

महिला ने बताया कि उसने घटना की सूचना पुलिस को दी थी। सूचना मिलने के बाद भी पुलिस समय पर वहां नहीं पहुंची तो उसने परिजनों के साथ बावल पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आश्वासन दिया था कि इस मामले में कुछ समय बाद कार्यवाही की जाएगी, परंतु पुलिस ने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाए। उसकी शिकायत पर केस तक दर्ज नहीं किया गया। एसपी ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के आदेश दिए, तो पुलिस ने केस दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी।

### जिम में दो युवकों के साथ मारपीट करने के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

**रेवाड़ी।** पुलिस गिरफ्त में आरोपी सहीराम।

**बावल।** बावल थाना पुलिस ने जिम में एक्सरसाइज कर रहे दो युवकों के साथ मारपीट करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गांव पातूहेड़ा निवासी सहीराम के रूप में हुई है। पुलिस की ओर से मामले में अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। गांव पातूहेड़ा निवासी संदीप गत 6 मई को रोजाना की तरह बावल स्थित जिम में अपने दोस्त विकास के साथ एक्सरसाइज कर रहा था। इसी दौरान उसके गांव का सहीराम व उसके तीन साथी उसके पास आए और मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने बताया की उन्हें रामसिंह ने भेजा है। इसके बाद आरोपियों उसे जान से मारने की धमकी दी और हथियार दिखाकर उसकी जेब से नकदी छीन कर भाग गए। आरोपियों ने उसके दोस्त विकास के साथ भी मारपीट की। पुलिस ने रविवार को मामले में संलिप्त एक आरोपी सहीराम को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

### साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज किया

## वर्क फ्रॉम होम के नाम पर बना ठगी का शिकार

- होटल, रेस्टोरेंट और लॉल पर रिव्यू देने के बदले पैसा देने की बात कहकर लगाया चूना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

साइबर ठगों ने बोलनी निवासी एक व्यक्ति को वर्क फ्रॉम होम से पैसा कमाने का लालच देकर साइबर ठगी का शिकार बना दिया। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में प्रेम प्रकाश ने बताया कि उसके पास 5 मई को अनन्या नाम से एक मैसेज आया, जिसमें वर्क फ्रॉम होम के नाम पर पैसा कमाने का ऑफर दिया गया। होटल, रेस्टोरेंट और लॉल पर रिव्यू देने के बदले पैसा देने की बात कही गई।

#### शुरू में उसे यूपीआई से 150 व 300 रुपये मिले

जब उसने मैसेज के आधार पर रिव्यू करना शुरू किया, तो शुरू में उसे यूपीआई से 150 और 300 रुपये मिले। इसके बाद उसे ज्यादा रिव्यू करने के लिए पैसे जमा कराने के लिए कहा गया। उसने पहले 2000 रुपये यूपीआई से ट्रांसफर किए, तो उसके बदले उसे 2800 रुपये दिए गए। बाद में 9 हजार रुपये डलवाने पर उसके खाते में 13500 रुपये शो किए गए। उसने पुलिस शिकायत में बताया कि उसने बाद में चार ट्रांजेक्शन के जरिए 1.41 लाख रुपये जमा करा दिए। पैसे निकलवाने पर उसे बताया गया कि उसे पैसे वापस लेने के लिए 2.20 लाख रुपये और जमा कराने होंगे। इसके बाद उसे ठगी का अहसास हुआ। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद उन खातों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए, जिनमें उसकी राशि ट्रांसफर हुई है।

---

### 18 मई को नामांकन वापसी का दिन, इसी दिन घोषित किए जाएंगे चुनाव परिणाम

## भगवान परशुराम शिक्षा समिति की गवर्निंग बॉडी व कार्यकारिणी के लिए सिंगल नामांकन दाखिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बूढ़पुर स्थित संस्था परिसर में 8 जून को होने वाले भगवान परशुराम शिक्षा समिति के चुनाव को लेकर सोमवार को नामांकन प्रक्रिया सम्पन्न हो गई।

चुनाव अधिकारी सतबीर सिंह यादव व सहायक चुनाव अधिकारी सुबेदार जगत सिंह बोहरा ने नामांकन प्रक्रिया पूरी कराई। चुनाव अधिकारी ने बताया कि चुनाव को लेकर गवर्निंग बॉडी के 5 पांच पदों के लिए 5 सदस्यों ने नामांक किए है। इसके अलावा 5 कार्यकारिणी सदस्यों के भी सिंगल नामांकन आए है। 18 मई को सुबह से 10 से शाम 3 बजे तक नामांकन पत्र वापस लेने की तिथि है। नामांकन पत्र वापस लेने की प्रक्रिया के बाद ही चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे।

चुनाव अधिकारी सतबीर सिंह ने बताया कि प्रधान पद के लिए सत्य प्रकाश गौतम, उपप्रधान के लिए दलीप कुमार, महासचिव के लिए अजय गौड़, संयुक्त सचिव के लिए अजीत कुमार शर्मा व कोषाध्यक्ष के लिए जगदीश राय वशिष्ठ ने नामांकन किया है। इसके अलावा गिरीश भारद्वाज, गोविंद शर्मा, पुनीत कुमार वशिष्ठ, लक्ष्मी नारायण व वासुदेव वशिष्ठ ने कार्यकारिणी सदस्य के लिए नामांकन दाखिल किया है।

**रेवाड़ी।** भगवान परशुराम शिक्षा समिति के चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करते प्रत्याशी। *फोटो : हरिभूमि*

## किसानों की समस्याओं को भाकियू चढ़ूनी के प्रदेशस्तरीय नेताओं ने सुना

- नई अनाजमंडी स्थित किसान भवन में बैठक का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सोमवार को नई अनाजमंडी स्थित किसान भवन में भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें यूनियन के प्रदेश स्तरीय नेताओं ने शिरकत की और किसानों व मजदूरों की समस्याएं सुनी। कार्यक्रम में मुख्यातिथि यूनियन से सत्यवान नरवाल, झज्जर जिले की प्रधान ममता कादयान व अन्य किसान नेता थे। बैठक की अध्यक्षता राजपाल गुरावड़ा ने की।

यूनियन के जिला प्रधान समय सिंह ने कहा कि किसानों अभी तक वर्ष 2023 के भावांतर भरपाई के पैसे नहीं मिले है। इसके अलावा पिछले दिनों ओलावृष्टि से हुए नुकसान की फाइल का भी पता नहीं है। दिसंबर 2024 में धारूहेड़ा और बावल क्षेत्र में हुई ओलावृष्टि का अफसरों के पास आज तक कोई हिसाब-किताब नहीं है। सत्यवान नरवाल ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर प्रशासन ने आगामी 10 दिनों में कोई समाधान नहीं निकाला तो एक बड़ा रोष प्रदर्शन किया जाएगा। मौके पर जगदीश प्रधान, राज सिंह, ओपी यादव, श्याम सुंदर थानेदार, जिला महिला प्रधान मुन्नी बूढ़पुर, शीशराम साहब, वीरेंद्र खेड़ा, कुलदीप करनावास, रोशनलाल दरोगा, राजवीर प्रधान, कैलाश भारद्वाज, जिला महिला प्रेस प्रवक्ता ममता यादव, नीलम मुंद्रा, कमलेश, मनीष यादव व वेद जाडरा सहित अनेक किसान नेता मौजूद थे।

**रेवाड़ी।** किसान भवन में मौजूद भाकियू चढ़ूनी के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com



रोहतक, मंगलवार 13 मई 2025

हरिभूमि सहेली

**विशेष**
अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस, 15 मई

परिवार से दूर रहकर सुखी जीवन की चाहत रखना एक बहुत बड़ी भूल है। परिवार वो छाया है, जो संकट की तपती धूप में हमें शीतलता देता है, हमारा संबल बनता है। इसलिए जरूरी है हम हमेशा पारिवारिक मूल्यों को बनाए रखें। परिवार के लोग प्रेम-स्नेह से बंधे रहें।

# परिवार का प्रेम-स्नेह जीवन का है आधार

आवरण कथा
डॉ. मोनिका शर्मा

परिवार को जीवन की पहली पाठशाला कहा जाता है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती आ रही यह मान्यता हर इंसान को मानवीय मूल्यों से जोड़कर रखती है। विचार-व्यवहार के मोर्चे पर जीवन को साधने का पाठ पढ़ाती है। अपनों के साथ संबल का ठिकाना कहे जाने वाले परिवार में ही तो एक छत के नीचे रहकर सुख-दुख साझा किया जाता है। हर उतार-चढ़ाव में जिंदगी से जुड़े रहने की हिम्मत बनी रहती है। परिवार, समाज की सबसे छोटी इकाई है जरूर, लेकिन समाज की बुनियाद को मजबूती देने में इस इकाई के मायने बहुत अहम हैं। समाज को बनाने और बनाए रखने में परिवार की अहमियत हमेशा से रही है, लेकिन अब परिवार के मूल स्वरूप में बिखराव साफ दिखने लगा है। यही वजह है कि हर साल घर-आंगन से जुड़े बहुत से विषयों पर विमर्श के लिए अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाता है। परिवार दिवस को पारिवारिक ताना-बाना सहेजने की कोशिश के रूप में देखा जाता है।

## मानवीय समझ को पोषण

पारिवारिक खुशहाली का समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण रोल होता है। दुनिया के हर हिस्से में परिवार ही समाज के भावी नागरिक को इंसानियत का पाठ पढ़ाता है। बुजुर्गों को स्नेह-सुरक्षा का साया मिलता है। युवा परिवार में सही मार्गदर्शन पाते हैं। रिश्तों के ताने-बाने का यह बंधन हर उम्र के लोगों को कुछ न कुछ देता ही है। यों भी जिंदगी का हर सबक अपने परिवार में ही सीखा जाता है। अपने आंगन में मिली सीख से ही आगे चलकर नई पीढ़ी का व्यक्तित्व पूर्णता पाता है। परिवार ही बड़ों की संभाल और देखभाल का आधार बनता है। हमारे फैमिली सिस्टम में मौजूद यह आपसी जुड़ाव, जो मजबूत पृष्ठभूमि बनाता है, वह हर परिस्थिति में मन-जीवन को थामती है। पारिवारिक व्यवस्था सही मायने में हमारे जीवन का आधार स्तंभ है। परिवार में साथ-साथ रहना, सुख-दुख साझा करने की सोच, अपनेपन के भाव हमें आपस में दिल से जोड़े रखते हैं। हर तरह से एक-दूसरे के साथ समन्वय और सहयोग भरा भाव ही पारिवारिक संबंधों का संबल है। परिवार में खुशियों और जिम्मेदारियों का एक अनोखा मेल होता है, जो सभी को आपस में बांधे रहता है। यही बंधन हमें अच्छे-बुरे वक्त में थामने का काम करते हैं। बड़ों को मान और बच्चों को मनुहार परिवार में ही मिल सकती है। हमारे यहां हर तबके के परिवारों में यही स्नेहपूरित सोच रही है। जीवन को साधने-समझने वाले हर मानवीय भाव-चाव को परिवार ही पोसता आया है।

## बिखरता ताना-बाना सहेजने के प्रयास

हालिया वर्षों में टूटते-बिखरते परिवारों का बढ़ता आंकड़ा चिंता का विषय बन गया है। दुनिया के हर समाज में परिवार के महत्व को रेखांकित किए जाने के बावजूद पारिवारिक ढांचा बिखर रहा है। कहीं बच्चे अकेले छूट रहे हैं तो कहीं बुजुर्ग स्नेह-साथ को तरस रहे हैं। बहुत से युवा शादी कर परिवार बसाना ही नहीं चाहते तो कई कपल्स शादी के बाद अपने रिश्ते को बिखरने से नहीं बचा पा रहे हैं। दुनिया भर में पारिवारिक सुदृढ़ता के लिए सराहे जाने वाले हमारे देश में भी अब तलाक के मामले बढ़े हैं। अपनों के साथ ही बर्बरता करने के मामले भी आए दिन सामने आते हैं। बदलती लाइफस्टाइल के चलते परिवार छोटे होते जा रहे हैं। जीवन की आपा-धापी में इतना कुछ नया जुड़ रहा है कि परिवार और अपने ही पीछे छूट रहे हैं। पारिवारिक कलह के चलते लोग अपनों की जान लेने से भी नहीं चूक रहे। भावनाओं भरे जुड़ाव पर स्वार्थी सोच हावी हो रही है। वर्चुअल दुनिया में अंजान चेहरों से जुड़ने के इस दौर में अपनों की उपेक्षा की संस्कृति पनप रही है। यही वजह है कि पारिवारिक मूल्यों को सहेजने के लिए कोशिशें जरूरी हैं। बदलते हालातों से जुड़ी सजगता लाने, परिवार के प्रति लोगों में लगाव को बढ़ाने और इस संस्था की अहमियत बताने के लिए ही इंटरनेशनल फैमिली-डे मनाया जाता है। हर साल यह दिन एक खास थीम के साथ सेलिब्रेट किया जाता है। वर्ष 2025 की थीम 'सतत विकास के लिए परिवार-उन्मुख नीतियां-सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की ओर' रखी गई है। जिसका उद्देश्य समाज के डेवलपमेंट के लिए परिवार की बेहतरी से जुड़ी पॉलिसीज पर फोकस करना है। साथ ही यह विषय फैमिली सिस्टम से जुड़ी मौजूदा नीतियों और मुद्दों के एनालिसिस और रिव्यू से भी जुड़ा है। समझना मुश्किल नहीं कि मौजूदा पॉलिसीज को समझकर ही भविष्य में पारिवारिक मूल्यों को बेहतर बनाने की राह तलाशी जा सकती है।



## अपनों का प्रेम-साथ-स्नेह अनमोल

असल में व्यवस्थागत प्रयासों के साथ हमें भी परिवार से जुड़ाव के अर्थ को समझना होगा। सब कुछ बनाने-जुटाने के फेर में गांवों से लेकर मेट्रो सिटीज तक लोग यह भूल रहे हैं कि परिवारजनों के बीच साझे सुख-दुःख की भावना ही रीत रही है। आज भावनात्मक दूरियां बढ़ रही हैं। ऐसे में हमें याद रखना होगा कि परिवार के सभी सदस्यों को भावनाओं की डोर से बंधे रहना चाहिए। अपनों का साथ हर किसी के मन को छोटी से छोटी खुशी में भी अनमोल सुख देता है। रिश्तों का यह ताना-बाना स्नेह बांटना भी सिखाता है और खुशियों को जीना भी। फाइनेंशियल परेशानी हो या बीमारी, अपने ही तो हर कष्ट में साथ खड़े नजर आते हैं। इतना ही नहीं अपनों का साथ पाकर हर तरह के दुःख से जूझने की शक्ति भी मिलती है। कई समस्याएं दिलो-दिमाग को विचलित किए बिना ही हल हो जाती हैं। संबल और सुख का यह परिवेश परिवारजनों के साथ रहकर ही संभव है। तीज-त्योहारों की रौनक भी अपनों के साथ से ही होती है। मन में उत्साह-उमंग जगाने वाली खुशियां, परिवार के साथ बिना अधूरी-सी लगती हैं। घर-परिवार से मिलने वाला सुख-समर्पण का यह भाव ही हमें समाज और देश से जोड़ता है। समझना मुश्किल नहीं कि स्ट्रेस, डिप्रेशन और अकेलेपन से जूझते लोगों के आंकड़े में इजाफे का एक कारण पारिवारिक टूटन भी है। अपनी जड़ों से जुड़ाव रखना हो या मन-जीवन की जद्दोजहद का सामना करना, परिवार का साथ बहुत मायने रखता है। अपनों के बीच अनमोल साथ स्नेह को कायम रखने वाली कुटुंब व्यवस्था की भूमिका सुरक्षा, सेहत और संभाल हर पहलू पर अहम है।

# दुख बांटने का सुख एक मानवीय अनुभव

सुख-दुख हर किसी के जीवन में आते हैं। लेकिन दुख साझा करने से उसे सहना थोड़ा आसान हो जाता है। इसलिए घर-परिवार में या कोई भी जानने वाला अगर दुख में दिखे तो उसका सहारा बनें, उसका दुख जरूर बांटें।

संवेदना
यशोधरा भटनागर

रहीम का एक दोहा है- रहिमन निज मन की बिथा, मन ही राखो गोय/ सुनि अठिलैहैं लोग सब, बांटि न लैहैं कोय।। इस दोहे का मतलब है कि अपने मन के दुख को मन में ही रखना चाहिए। दूसरों का दुख सुनकर लोग इठला भले ही लें, लेकिन उसे कम करने वाला कोई नहीं होता। साथ ही, लोग दूसरे का कष्ट सुनकर उसका उपहास भी उड़ाते हैं। वहीं दूसरी ओर यह भी कहा जाता है कि दुख बांटने से कम होता है। सच ही है, दुखों को हल्का करने के लिए, सिर रख कर रोने के लिए एक कंधा मिल जाए तो दुख कम तो नहीं होता पर एक ऐसा एहसास जुड़ जाता है, जो व्यक्ति के लिए संबल बन जाता है और वह दुख का सामना करने की शक्ति पा जाता है।

**जीवन को गतिमान बनाते हैं सुख-दुखः** मनुष्य का जीवन सुख और दुख के द्वंद्व में सदा गतिमान रहता है। सुख हमें आनंद देता है, परंतु दुख हमारी सहनशीलता, हमारे रिश्तों और हमारे भीतर छुपे मानवीय गुणों की परीक्षा लेता है। दुख एक ऐसा अनुभव है, जिसे यदि अकेले सहा जाए तो वह भारी लगता है, लेकिन यदि इसे किसी के साथ बांटा जाए, तो यह हल्का लगता है, एक अनोखे सुख का भी रूप ले लेता है। यह सुख गहरे मानवीय संबंधों और सहानुभूति के मूल्य को दर्शाता है। इसलिए हमें अपने आस-पास के लोगों का दुख बांटना चाहिए, दुखी व्यक्ति को अकेले नहीं छोड़ देना चाहिए। अस्सी वर्षीया शांति देवी की आंखें उस दिन बार-बार बरस रही थीं। पति का जन्मदिन जो था। भावों का तीव्र प्रवाह हृदय को उद्वेलित कर रहा था। सात बरस हो गए पति के देहांत हुए, लेकिन आज भी वह आस-पास ही महसूस होते हैं। शांति देवी पल भर भी उन्हें भुला नहीं पाई हैं। पहाड़-सा दुख मन पर डटा खड़ा है। दीवारों से घिरी वो अकेली हैं, नितांत अकेली। वे दीवारों से ही बतियाती हैं। दीवारें मौन हैं और दुख का पहाड़ उतना ही बड़ा। यह आज के समाज का विद्रूप-कुरूप चेहरा है।

**कम होता है भावनात्मक बोझः** दुख एक मानसिक और भावनात्मक बोझ है। इसे बांटने की प्रक्रिया न केवल इस बोझ को हल्का करती है, बल्कि उसमें छुपे तनाव, अकेलेपन और हताशा को भी कम करती है। यह वही प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपने भीतर के भावों को शब्दों के माध्यम से बाहर निकालता है। एक सच्चे मित्र या हमदर्द के साथ ऐसा करने से व्यक्ति को यह विश्वास होता है कि कोई उसे समझ रहा है, उसकी पीड़ा में शामिल है। यह विश्वास ही उसे मानसिक और भावनात्मक सुकून देता है।

**दुख सुनाने और सुनने वाले बंधते हैं अदृश्य बंधन में:** हर व्यक्ति को जीवन में ऐसे किसी साथी की आवश्यकता होती है, जो उसके दुख को सुन सके, उसे समझ सके। मित्रता और हमदर्दी इस प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं। एक सच्चा मित्र न केवल हमारे सुख के पलों का सहभागी होता है, बल्कि हमारे दुख के समय एक आश्रय भी बनता है।

**मिलती है आंतरिक संतुष्टिः** जब हम किसी के साथ अपना दुख साझा करते हैं, तो हमें एक आंतरिक संतुष्टि मिलती है। यह संतोष इस बात का प्रतीक है कि हमने अपने भावनात्मक बोझ को हल्का किया है।

# प्रॉपर मेकअप से मिलेगा अट्रैक्टिव लुक

मेकअप
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

आकर्षक-खूबसूरत दिखने के लिए आप हर पॉसिबल स्टेप फॉलो करती हैं। अगर किसी पार्टी में जाना हो तो स्टाइलिश ड्रेस चुनती हैं, ताकि सबसे अलग दिखें। लेकिन अच्छी ड्रेस भी आपकी ब्यूटी को तभी उभारता है, जब मैचिंग मेकअप अप्लाई किया जाए। हालांकि मेकअप तो सभी महिलाएं करती हैं लेकिन सही तरीके से किया गया मेकअप ही आपके लुक को निखार सकता है। इसके लिए जरूरी है कि आपको मेकअप करने का सही तरीका पता हो। अगर आप मेकअप करने से पहले यह तय ही नहीं कर पाती हैं कि आपको किस तरह का मेकअप करना है और कैसा मेकअप आप पर अच्छा लगेगा, तो हम आपको सिंपल लेकिन इंप्रेसिव मेकअप स्टेप्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

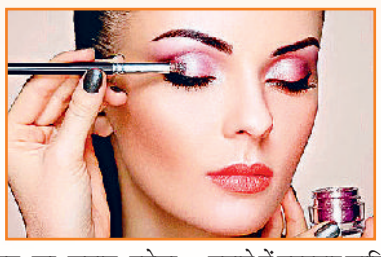

**बेस तैयार करें:** मेकअप बेस तैयार करने के लिए आपको सबसे पहले प्राइमर लगाना चाहिए। इसके बाद चेहरे पर फाउंडेशन लगाएं और फाउंडेशन का चुनाव हमेशा अपनी स्किन टोन से एक टोन अपर शेड का सेलेक्ट करें। इसके बाद आप फेस पावडर लगाएं। अगर आप गालों को हाईलाइट करना चाहती हैं, तो पीच ब्लश ऑन का भी इस्तेमाल करें। इस बात का भी ध्यान रखें कि फाउंडेशन लगाने के बाद गीले स्पंज को चेहरे पर डैब करें, ताकि फाउंडेशन अच्छे से ब्लेंड हो जाए।

**आई मेकअपः** निखरी खूबसूरती पाने के लिए आंखों का परफेक्ट मेकअप भी बहुत मायने रखता है। अच्छा आई मेकअप आपके पूरे लुक को बेहतर बनाने में मददगार साबित हो सकता है। इसके लिए आपको सबसे पहले आंखों के आस-पास की स्किन और पलकों के ऊपरी हिस्से पर बेस तैयार करना चाहिए और प्राइमर और फाउंडेशन लगाना चाहिए। आप आंखों को यदि बड़ा दिखाना चाहती हैं, तो लाइट आईशैडो का इस्तेमाल करना चाहिए। आप काजल और आईलैशेज का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

**लिपस्टिकः** लिपस्टिक का चुनाव करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि डे पार्टी में लाइट और न्यूड शेड्स की लिपस्टिक कैरी करें और नाइट पार्टी में डार्क रेड, ब्राउन या फिर डार्क पिंक कलर की लिपस्टिक अप्लाई करें। होंठों के आकर्षण के लिए लाइट और नेचुरल कलर्स का उपयोग करना चाहिए। ज्यादा डार्क या ब्राइट कलर लगाने से परहेज करना चाहिए। लिपस्टिक की रंगत चुनते समय अपनी स्किन शेड को जरूर ध्यान में रखें। अगर आपकी स्किन टोन में पीलापन है तो ऑरेंज कलर की लिपस्टिक से परहेज करें। डस्की स्किन के लिए यलो कलर की लिपस्टिक से परहेज करें। गर्मियों में सामान्य त्वचा के लिए हल्के रंग बेहतर लगते हैं, लेकिन सांवली रंगत के लिए चमकीले रंग बेहतर होंगे। आप डार्क यलो शेड्स का प्रयोग भी कर सकती हैं। रात में होंठों से लिपस्टिक हटाना न भूलें। लिपस्टिक के बचे रंग होंठों को सूखा कर सकते हैं।

आप नया घर बनवा रही हैं या पुराने घर का रिनोवेशन करवा रही हैं तो आप जरूर किचेन को भी आकर्षक डिजाइन में देखना चाहेंगी। इसलिए हम आपको यहां बता रहे हैं, कुछ मॉडर्न किचेन डिजाइंस के बारे में।

# अट्रैक्टिव-कंफर्टेबल मॉडर्न किचेन डिजाइन

इंटीरियर
रेणु लैसी फ्रांसिस

हर घर में रसोई यानी किचेन का खास महत्व होता है। यहीं पर आप पूरे परिवार के लिए खाना-नाश्ता बनाती हैं। होम मेकर्स के दिन का काफी समय यहीं बीतता है। इसलिए इसका इंटीरियर न केवल आकर्षक बल्कि सुविधाजनक भी होना चाहिए। हालांकि पुराने दौर में घरों में जिस तरह के किचेन हुआ करते थे, आज उसके स्वरूप में काफी बदलाव हुए हैं। जैसे-जैसे तकनीक में सुधार हुआ, किचेन में सुविधाएं भी बेहतर होती गई हैं। आजकल मॉड्यूलर किचेन महिलाओं की पहली पसंद बन रही है। नए इंटीरियर ट्रेंड में किस तरह के किचेन पसंद किए जा रहे हैं, आप जरूर जानना चाहेंगी।

**ओपन किचेनः** आजकल विदेशों की तरह अपने यहां भी घरों में ओपन किचेन लोगों की पहली पसंद बनता जा रहा है। यह डायनिंग रूम और हॉल के साथ ही बनाए जाते हैं। ओपन किचेन में कोई दरवाजा नहीं होता, यह बिल्कुल खुला हुआ होता है। चारों तरफ से रोशनी और हवा आती रहती है। आप इस किचेन में काम करते हुए अन्य लोगों से बातचीत भी कर सकती हैं। आप किसी इंटीरियर डिजाइनर की सलाह से ओपन किचेन बनवा सकती हैं।

**वाल किचेनः** छोटी जगह के लिए वाल किचेन एक अच्छा ऑप्शन है। आजकल लोग एक दीवार वाला किचेन ज्यादा बनवाना पसंद कर रहे हैं। आप रसोई के सामानों को एक दीवार के साथ व्यवस्थित रख सकती हैं। जिससे सब कुछ आसानी से एक ही जगह मिल जाता है। किचेन में सामानों को स्लाइडिंग दरवाजे के पीछे या कैबिनेट के भीतर रखा जा सकता है। आप एक सामान के ऊपर दूसरा सामान भी रख सकती हैं, जिससे छोटी जगह का भी उपयोग ईजीली हो जाता है।

**एल शेप किचेनः** आजकल एल शेप के किचेन भी काफी बनवाए जा रहे हैं। यह छोटी और बड़ी दोनों जगहों पर आसानी से बन जाता है। इसमें आप कम जगह में ज्यादा सामान को आसानी से स्टोर कर सकती हैं। कुकिंग एरिया और स्टोर को अलग दो भाग में बनाने के लिए आजकल एल शेप के किचेन ज्यादा बनाए जा रहे हैं। एक तरफ खुली जगह जहां आप खाना बना सकती हैं। दूसरे भाग में आप सामान रख सकती हैं। अगर आपके पास छोटा किचेन स्पेस है तो एल शेप का किचेन बनवा सकती हैं।

**पैरेलल किचेनः** ऐसा किचेन कम जगह में आसानी से बन जाता है। अगर आपके घर में स्मॉल गैलरी जैसा शेप है तो आप यहां पैरेलल किचेन बनवा सकती हैं और किचेन को क्लासिक लुक भी दे सकती हैं। पैरेलल किचेन में एक समय में एक से अधिक व्यक्ति काम नहीं कर पाते हैं।

**यू शेप किचेनः** आपके घर में ज्यादा और बड़ी जगह है तो आप यू शेप का किचेन बनवा सकती हैं। इसमें आपको स्पेशियस स्टोरेज की सुविधा मिलेगी। यू शेप के किचेन में आप आसानी से सिंक, कुकटॉप, ओवन और रेफ्रिजरेटर को रख सकती हैं। यू शेप के किचेन में दो-तीन लोग आराम से एक साथ काम कर सकते हैं। आपका परिवार बड़ा है तो यू शेप किचेन को बनवाने में ही समझदारी है।

**(इंटीरियर डिजाइनर वरिजा बजाज से बातचीत पर आधारित)**

# तब आपका मन नहीं होगा बीमार

आजकल अनेक महिलाएं कई वजहों से अलग-अलग मनोरोगों की शिकार हो रही हैं। क्यों होता है ऐसा, इसके लक्षणों को कैसे पहचानें और इससे बचाव के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? यहां बता रहे हैं डिटेल में।

मेंटल हेल्थ
डॉ. विपुल रस्तोगी
सीनियर साइकिएट्रिस्ट, गुरुग्राम

आज लोगों की जीवनशैली में व्यस्तता इतनी ज्यादा बढ़ रही है कि उनके पास खुद पर ध्यान देने और अपने परिवार के सदस्यों से भी बातचीत करने का समय नहीं होता है। इस तनावपूर्ण जीवनशैली के प्रभाव से महिलाएं भी अछूती नहीं हैं। इस दबाव की वजह से हमेशा उनका मन अशांत और उदास रहता है, वे स्ट्रेस, एंग्जायटी और डिप्रेशन जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याओं की शिकार हो जाती हैं। इनके बारे में आपको पता होना चाहिए।

**मेंटल स्ट्रेसः** पुराने समय की तुलना में आज की महिलाओं का जीवन ज्यादा मुश्किलों से भरा है। संयुक्त परिवार तेजी से टूट रहे हैं और शहरों में न्यूक्लियर फैमिली की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसी स्थिति में होममेकर्स के आस-पास कोई ऐसा व्यक्ति नहीं होता, जिसके साथ वे अपने मन की बातें शेयर कर सकें। इसकी वजह से उनका तनाव बढ़ने लगता है।

**प्रमुख लक्षणः** उदासी, चिड़चिड़ापन, थकान, अनिद्रा, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, कार्य क्षमता का घटना और निराश हो जाना इसके प्रमुख लक्षण हैं।

**बचाव-उपचारः** नए लोगों से दोस्ती बढ़ाएं, प्रियजनों के साथ मन की बातें शेयर करें, म्यूजिक सुनें, बागवानी या स्पोर्ट्स जैसी एक्टिविटीज में अपनी सक्रियता बढ़ाएं। नियमित रूप से योग और प्राणायाम करें। सही ढंग से टाइम मैनेजमेंट करते हुए अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। अगर इन प्रयासों के बावजूद तनाव कम न हो तो मनोवैज्ञानिक से संपर्क करें।

**एंग्जायटीः** यह ऐसी मनोदशा है, जिसमें अत्यधिक चिंता, डर या बेचैनी महसूस होती है। खान-पान की गलत आदतों के कारण होने वाले हार्मोन संबंधी असंतुलन भी इसके लिए जिम्मेदार हैं।

**प्रमुख लक्षणः** मन में बार-बार नकारात्मक विचार आना, हमेशा सशंकित रहना, वर्तमान को छोड़कर भविष्य के बारे में लगातार सोचते रहना, खुद को लाचार महसूस करना, दिल की धड़कन तेज होना, पसीना आना, थकान और सांस लेने में तकलीफ होना।

**बचाव-उपचारः** सोने-जागने का समय सुनिश्चित करें, जब मन परेशान हो तो गहरी सांस लें, योग और ध्यान करें, करीबी लोगों के साथ इस समस्या के बारे में खुलकर बातचीत करें, हमेशा अच्छा सोचें और मोटिवेशनल किताबें पढ़ें। इन प्रयासों के बावजूद अगर आपकी मनोदशा में कोई बदलाव न आए तो एक्सपर्ट से सलाह लें।

**डिप्रेशनः** अगर किसी व्यक्ति के मन में उदासी और जीने से अरुचि की भावना लंबे समय तक बनी रहे, तो ऐसी मनोदशा को डिप्रेशन कहा जाता है। आजकल महिलाओं में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है।

**प्रमुख लक्षणः** अकेलापन और खालीपन महसूस करना, ज्यादा सोना या अनिद्रा, ओवर ईटिंग या भूख न लगना, हीन भावना, आत्मविश्वास में कमी, डिप्रेशन के लक्षणों में शामिल हैं।

**बचाव-उपचारः** अपनी रुचि से जुड़े कार्यों में स्वयं को व्यस्त रखें, खुशमिजाज लोगों से दोस्ती बढ़ाएं, कॉमेडी शोज देखें, बच्चों के साथ वक्त बिताएं, घूमने-फिरने जाएं, धार्मिक गतिविधियों में शामिल हों, बागवानी करें या घर में कोई पालतू जानवर रखें। ऐसे छोटे-छोटे प्रयास डिप्रेशन दूर करने में मददगार होते हैं। जरूरत महसूस होने पर साइकिएट्रिस्ट से सलाह लें।

**प्रस्तुतिः विनीता**

## खबर संक्षेप

### हथियार रखने वाले दो आरोपी किए गिरफ्तार

**रेवाड़ी** सीआईए रेवाड़ी प्रभारी इंस्पेक्टर सुमेर सिंह की टीम ने अवैध हथियार रखने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गांव देहलावास निवासी सोहिल उर्फ बांगड़ व गांव भठेडा निवासी नितेश उर्फ भरड के रूप में हुई है। गत 11 मई को सीआईए को सूचना मिली थी कि सोहिल उर्फ बांगड़ निवासी गांव देहलावास के पास अवैध हथियार है। जोकि अपने ट्यूबवेल कि कोठडी के पास बैठा हुआ है। सूचना पर सीआईए ने आरोपी को काबू कर लिया। आरोपी की तलाशी लेने पर 1 अवैध देशी कट्टा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी सोहिल ने बताया कि हथियार उसे गांव भठेडा निवासी नितेश उर्फ भरड ने उपलब्ध कराया था। पुलिस ने नितेश उर्फ भरड को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना रामपुरा में शस्त्र अधिनियम तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

### राव तुलाराम के नाम से ही हो मेडिकल कॉलेज

**नारनौल।** कोरियावास मेडिकल कॉलेज का नामकरण अमर शहीद राव तुलाराम के नाम से किए जाने से आने वाली पीढ़ियों को देश की आजादी के लिए काम आने वाले अमर शहीदों के जीवन की प्रेरणा मिलती रहेगी। खोड़मा के सरपंच बहादुर सिंह एवं पूर्व चेयरमैन रोहताश यादव ने कहा कि अमर शहीद राव तुलाराम ने देश को आजाद करवाने के लिए नारनौल के नसीबपुर मैदान में अंग्रेजों के साथ पहली लड़ाई लड़ी। जिसमें न केवल पांच हजार राव तुलाराम के सैनिकों का बलिदान हुआ, अपितु दो अंग्रेज सैनिक अधिकारियों के साथ हजारों सैनिक भी मरे थे।

### तेल पाइप लाइन के पाइपों में लगी आग

**भिवानी।** सोमवार दोपहर बाद अचानक जींद-भिवानी मार्ग पर डाली जा रही तेल पाइप लाइन के पाइपों में आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि किसी अनहोनी से बचने के लिए जींद-भिवानी मार्ग पर दोनों तरफ वाहनों की लाइनें लग गई। करीब आधे घंटे तक रोड पर वाहनों का आवागमन बाधित रहा। बाद में अग्निशमन दस्ता मौके पर पहुंचा। आग की लपटें शांत हुई। जींद भिवानी मार्ग के पास गांव तिगड़ाना के पास से पाइप लाइन बिछाई जा रही है। अचानक तेल के पाइप में आग लग गई। कम्पनी के कर्मचारियों ने आग बुझाने का प्रयास किया,लेकिन आग बुझने की बजाए लपटें तेज हो गई।

### राजस्थान रीट परीक्षा पास करने पर जताई खुशी

**नारनौल।** यदुवंशी डिग्री कॉलेज में अध्ययनरत अभिषेक पुत्र सुरेश, काजल राठी पुत्री शक्ति सिंह, सुचित्रा पुत्री रामकिशन के राजस्थान रीट एग्जाम उत्तीर्ण करने पर कॉलेज प्रांगण में मिठाई वितरण कर जताई खुशी। रीट परीक्षा उत्तीर्ण छात्र छात्राओं का कहना है कि यदुवंशी कॉलेज में प्रवेश लेने के बाद पाठ्यक्रम अध्ययन के साथ एक्स्ट्रा कम्पिट्सन की, जो तैयारी व लाइब्रेरी में पुस्तकों की व्यवस्था के कारण यह फायदा मिला और प्रथम प्रयास में रीट के एग्जाम को उतीर्ण किया। विद्यार्थियों ने अपने मन की बात को उजागर करते हुए चेयरमैन का आभार व्यक्त किया। यदुवंशी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने बधाई देते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संस्था निदेशक सुरेश यादव, डॉ. प्रदीप यादव, प्राचार्य बजरंग लाल उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

### सेवा स्तम्भ ने धूमधाम से मनाया बुद्ध पूर्णिमा उत्सव

# महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं पर अमल करने का संकल्प लिया

### सिंगर हवा सिंह ने प्रेरणादायक गीतों से समां बांधा

- वक्ताओं ने बुद्ध की जीवनी पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनकी शिक्षाओं पर अमल करने का संकल्प लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मुख्यातिथि का सम्मान करते आयोजक।

श्रीराम सत्संग भवन में सुंदरकांड पाठ करते हुए।

सेवा स्तम्भ एवं धम्म भूमि जिला इकाई के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को डा. बीआर अंबेडकर पार्क एवं पुस्तकालय मॉडल टाउन में महिला विंग की अध्यक्ष मोनिका मेहरा की अध्यक्षता में बुद्ध पूर्णिमा उत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर रोहतक से धम्म गौरव राष्ट्रीय प्रतिनिधि धम्म भूमि श्रेष्ठ जीवन के लिए आंदोलन उपस्थित थे। मंच संचालन आरपी सिंह दहिया ने किया। मुख्य अतिथि के संयोजन में जिला प्रधान भगत सिंह बौद्ध, राजकुमार जलवा तथा कांशीराम खींची की अगुवाई में सभी ने त्रिशरण, पंचशील एवं बुद्ध वंदना की। सभी वक्ताओं ने बुद्ध की जीवनी पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनकी शिक्षाओं पर अमल करने का संकल्प लिया। सिंगर हवा सिंह बौद्ध ने बुद्ध के प्रेरणादायक गीतों से कार्यक्रम में समां बांधा। सत्यवीर गोठवाल व मोनिका मेहरा ने प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर अजीत सिंह,रामनिवास गोठवाल, रणबीर शास्त्री, होशियार सिंह अहरोदिया, रिटायर्ड प्राचार्य धर्मपाल,रजनी आजाद, रेशम सांभरिया, प्रताप सिंह, बलवंत सिंह, सुनील नाहरवाल, सुमित्रा, राजेश बौद्ध, एडवोकेट मुकेश दहिया, डा. सत्यपाल चौपड़ा, जितेन्द्र मेहरा, संजय बाबू, प्यारेलाल, अशोक कुमार,श्रीपाल, मनमोहित, दिनेश कुमार, सविता चौपड़ा, हुकम सिंह, बिमला, कविता व मनमोहित मौजूद थे।

#### बुद्ध पूर्णिमा पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन

**धारूहेड़ा** अखंड परमधाम सेवा समिति धारूहेड़ा की ओर से श्रीराम सत्संग भवन सेक्टर-6 में बुद्ध पूर्णिमा पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। समिति के कार्यकर्ताओं ने महात्मा बुद्ध के चित्र पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलित करके बुद्ध वंदना से कार्यक्रम की शुरूआत की। समिति के प्रधान मलूक सिंह ने महात्मा बुद्ध की जीवनी व शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बुद्ध पूर्णिमा मंगलकारी एवं पावन पर्व है। इस मौके पर तेज बहादुर सिंह, बनवारी लाल, नानक चंद शर्मा, भोला गुप्ता, सतपाल वर्मा, प्रेमराज, हवा सिंह यादव, कमला, कविता, नितीश, सिकंदर, शीला, गीता, नीता, लक्ष्मण सिंह व गोपाल झा सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद थे।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी प्रदीप। फोटो : हरिभूमि

# चोरी की बाइक पर लगी थी फर्जी नंबर प्लेट, काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

थाना मॉडल टाउन पुलिस ने कालाका चौक के पास नाकेबंदी के दौरान बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट की बाइक को रुकवाकर चेक किया तो बाइक चोरी की निकली। पुलिस ने बाइक चालक को मौके पर ही गिरफ्तार करने के बाद पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार कालाका चौक पर नाकेबंदी करते हुए वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट की एक बाइक को रुकवाकर चालक से कागजात दिखाने को कहा, तो वह बाइक के कागज नहीं दिखा सका। पुलिस ने बाइक के इंजन व चेसिस नंबर चालानिंग मशीन पर डाले, तो यह बाइक दिल्ली के जसोला विहार निवासी शहजेब इकबाल के नाम से पंजीकृत मिली। पुलिस ने बाइक चालक तुर्कियावास निवासी प्रदीप को काबू कर लिया। उसे बाइक के साथ मॉडल टाउन थाने ले जाया गया। पुलिस ने नंबर ट्रेस करने के बाद बाइक मालिक शहजेब से संपर्क किया तो उसने बताया कि उसकी बाइक गत वर्ष 28 सितंबर को चोरी हो गई थी। उसने बाइक चोरी की एफआईआर शाहिन बाग पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई हुई है। इसके बाद पुलिस ने प्रदीप के खिलाफ केस दर्ज करते हुए पूछताछ शुरू कर दी।

# भारत विकास परिषद ने मातृत्व दिवस पर माताओं का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मां का सम्मान करते भाविप के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

भारत विकास परिषद शाखा की ओर से संस्कार प्रकल्प कार्यक्रम के तहत विश्व मातृत्व दिवस पर माताओं का उनके निवास स्थान पर जाकर सम्मान किया। इस अवसर पर प्रांतीय संयोजक पर्यावरण मुकेश सैनी ने कहा कि पूरी दुनिया में एक मां ही है, जो जन्म के बाद से हर पल हर सुख में किसी चट्टान की तरह अपने बच्चों के साथ खड़ी रहती है। मां की अहमियत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। शाखा संरक्षक रमेश सचदेवा ने कहा कि मां के लबों पर कभी बद्दुआ नहीं होती और मां बच्चों का हर मुश्किल में साथ देती है। इस मौके पर डा. आरबी यादव, डा. सुमन यादव, शाखा अध्यक्ष दिनेश सैनी, शाखा उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष प्रेम मेहंदीरत्ता, अनिल सैनी, हुकम चन्द प्रजापत, नितिन गोयल व राकेश कुमार भी उपस्थित थे।

*पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया*

# नौकरी के नाम पर ठगी करने का आरोपी चार साल बाद गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭रजाटूसाना

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी रविन्द्र।

थाना जाटूसाना पुलिस ने वर्ष 2021 में दर्ज नौकरी के नाम पर ठगी के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। मोतला खुर्द निवासी कमलेश देवी ने डीजीपी को दर्ज शिकायत में गांव निवासी दीपक, जितेंद्र, मनोज, राममेहर व गुरूग्राम के माजरी निवासी मधु देवी तथा उसके पति पवन पर अपने बेटे आशीष को सेना में भर्ती कराने का झांसा देकर 8.50 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप लगाया था। कमलेश देवी ने आरोप लगाया था कि इन लोगों ने उसे झांसे में देकर पैसे वसूलने के बाद उसके बेटे का फर्जी ज्वाइनिंग लेटर तैयार कराया था। डीजीपी ऑफिस से उसके पत्र को कार्रवाई के लिए एसपी कार्यालय प्रेषित किया गया था, जिसके आधार पर जाटूसाना थाना पुलिस ने 1 दिसंबर 2021 को आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। पुलिस ने कुछ आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

# लिंगानुपात बढ़ाने के लिए रैली निकाल कर लोगों को किया जागरूक

- ग्रामीणों से भ्रूण हत्या पर रोक लगाने व बेटियों को पढ़ाने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ⏭कुंड

रेवाड़ी। गांव कुंडल में जागरूकता रैली निकालते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

गांव कुंडल में सोमवार को लिंगानुपात बढ़ाने और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को लेकर रैली निकाल कर लोगों को जागरूक किया गया। गांव कुंडल का लिंगानुपात में चिंताजनक स्थिति में होने के कारण सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य विभाग व शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन में रैली निकाली।इस मौके पर मुख्य अध्यापक सुधीर कुमार, स्वास्थ्य कार्यकर्ता विक्रम, एएनएम सीमा, आशा कोऑर्डिनेटर रितु, संस्कृत अध्यापिका ममता, विज्ञान शिक्षक सुधीर, निर्मला व अनीता सहित अनेक विद्यार्थी मौजूद थे। स्वास्थ्य कार्यकर्ता विक्रम ने ग्रामीणों से भ्रूण हत्या पर रोक लगाने व बेटियों को पढ़ाने का आह्वान किया।

# कुलदीप रुस्तगी सर्वसम्मति से बने रुस्तगी सभा के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

रेवाड़ी। कुलदीप रुस्तगी का स्वागत करते समाज के लोग।

मॉडल टाउन स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में रुस्तगी सभा के चुनाव पूर्ण सहमति एवं शांतिपूर्वक तरीके से सम्पन्न किए गए। कुलदीप रुस्तगी को सर्वसम्मति से रुस्तगी सभा का प्रधान चुना गया। सभा के चुनाव संरक्षक सुरेश रुस्तगी, वरिष्ठ सदस्य हरी शंकर रुस्तगी, रामावतार रुस्तगी, डा. रामोतार रुस्तगी, हरिदत रुस्तगी व बाबूलाल रुस्तगी की अध्यक्षता में कराए गए। चुनाव में जिले के रुस्तगी परिवारों से 77 सदस्यों ने शिरकत की। चुनाव में अन्य पदाधिकारियों में सर्वसम्मति से यशपाल रुस्तगी को कार्यकारी अध्यक्ष, संजय रुस्तगी को उप-प्रधान, सचिन रुस्तगी को उप-प्रधान, हितेश रुस्तगी को सचिव, विकास रुस्तगी को कोषाध्यक्ष व मनोज रुस्तगी को सह सचिव चुना गया।

# रक्त की एक-एक बूंद किसी के जीवन को बचाने का काम करती है : विक्रम सिंह

- गांव सुधराना में सोमवार को शहीद नरेन्द्र की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

रेवाड़ी। रक्तदाता को प्रशस्ति पत्र भेंट करते पूर्व मंत्री विक्रम सिंह यादव।

गांव सुधराना में सोमवार को शहीद नरेन्द्र की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर का शुभारंभ पूर्व मंत्री विक्रम सिंह यादव ने किया। शिविर में 41 युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री ने रक्तदान को पुण्य का कार्य बताते हुए कहा कि किए गए रक्तदान में रक्त की एक-एक बूंद किसी के जीवन को बचाने का काम करती है। उन्होंने युवाओं से निरंतर रक्तदान करने का आह्वान किया। रक्त एकत्रित करने के लिए सिविल अस्पताल रेवाड़ी की टीम मौजूद रही। पूर्व मंत्री ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र भेंट कर प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर डा. अभिषेक, डा. गौरव, डा. नरेश, जिला पार्षद विनोद कुमार, पिंकी शर्मा, बिक्रम, कालूराम, ब्रह्मप्रकाश पूर्व सरपंच, राकेश, नवीन गोयल, देवेंद्र यादव,चेतन, सोनू व मोहित सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित थे।

# उच्च कोटि के संत थे बाबा रामस्वरूप दास महाराजः रामेश्वर दास

- महामंडलेश्वर ने आश्रम में ऐतिहासिक तालाब व गोशाला का भ्रमण किया

हरिभूमि न्यूज ⏭कुंड

रेवाड़ी। सीहा के दादूपंथी आश्रम में मौजूद महाराज व अन्य।

निमोर्ही अखाड़े के महामंडलेश्वर और हुंडिया जैतपुर के प्राचीन धर्म स्थान सीताराम मंदिर के महंत रामेश्वर दास महाराज ने सोमवार को सीहा के दादूपंथी आश्रम में पहुंचकर सिद्ध योगीराज बाबा रामस्वरूप दास महाराज के दर्शन कर क्षेत्र में सामाजिक गतिविधियों को बढ़ाने पर चर्चा की। इस मौके पर आश्रम के महंत नरोत्तमदास महाराज, दीपदास महाराज व मनीष दास महाराज सहित प्रिंसिपल नरेश शर्मा, राकेश प्रजापति ने महामंडलेश्वर का स्वागत किया। महामंडलेश्वर ने आश्रम में ऐतिहासिक तालाब व गोशाला का

# आजम नगर में भी मनाया नर्सिंग दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

नर्स केवल उपचारक ही नहीं, बल्कि एक शिक्षक, शोधकर्ता और बेहतर स्वास्थ्य सेवा नीतियों की समर्थक हैं। उक्त विचार जीके सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल आजम नगर के प्रबंध निदेशक डॉ. गौरव खोश्या ने नर्स दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि हम आज नर्सों के असाधारण योगदान को सम्मानित करने के लिए एकत्रित हुए हैं। यह दिन हर साल 12 मई को मनाया जाता है जो नर्सिंग की महान संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती है। उनके समर्पण और नेतृत्व ने लाखों लोगों को प्रेरित किया और नर्सिंग को एक सम्मानित पेशे के रूप में स्थापित किया। नर्सों को स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ माना जाता है क्योंकि वे रोगियों को न केवल शारीरिक उपचार प्रदान करती हैं बल्कि उनकी मानसिक और भावनात्मक देखभाल भी सुनिश्चित करती हैं। नर्सों का कार्य केवल अस्पतालों और क्लीनिकों तक सीमित नहीं है। वह घरों में जाकर भी रोगियों का उपचार करती हैं। किसी भी रोगी के इलाज में एक नर्स का योगदान अनमोल और अपरिहार्य होता है।

# कराटे प्रतियोगिता में सूरज स्कूल के खिलाड़ियों ने जीते 18 गोल्ड

- सूरज स्कूल के होनहार खिलाड़ियों ने एकबार फिर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

सूरज स्कूल के होनहार खिलाड़ियों ने एकबार फिर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हाल ही में आयोजित जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार खेल भावना का परिचय देते हुए 18 स्वर्ण पदक अपने नाम किए। यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह खिलाड़ियों की कठिन मेहनत, लगन और समर्पण का परिणाम भी है। प्रतियोगिता में जिलेभर के 150 से अधिक, विभिन्न विद्यालय के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया, लेकिन सूरज स्कूल के खिलाड़ियों ने सभी को पीछे छोड़ते हुए अपनी श्रेष्ठता साबित की। प्रतियोगिता के दौरान छात्रों ने कराटे के विभिन्न आयु व भार वर्गों में भाग लिया और सभी वर्गों में बेहतरीन तकनीक, अनुशासन और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों में मुख्यतः हर्ष, मंयक, अविरल, यश, इशांत, आदित्य, दिपांशु, चिराग व आदित्य रहें।

छात्राओं ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिनमें अंशु, काम्या, गरिमा, विधी, दिपांशु, अंशु, गुंजन, गरिमा, गुंजन शामिल हैं। प्राचार्या ने कहा कि हमारे छात्र न केवल शिक्षा में बल्कि खेलों में भी लगातार उत्कृष्टता प्राप्त कर रहे हैं।

यह सफलता हमारे खेल प्रशिक्षकों की मेहनत और छात्रों की निष्ठा का प्रतिफल है। खेल प्रभारी ने बताया की यह खिलाड़ी आने वाले राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भी भाग लेगे।

विद्यालय स्टाफ ने विजेता छात्रों और उनके अभिभावकों को इस गौरवशाली उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

## खबर संक्षेप

### अज्ञात वाहन की चपेट में आने से श्रमिक की मौत

**रेवाड़ी।** रविवार की रात पं. भगवत दयाल शर्मा चौक के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक श्रमिक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। बिहार के जगन सैदपुर का रहने वाला उदय बींद उत्तम नगर में किराए के मकान में रह रहा था। वह मेहनत मजदूरी से परिवार चला रहा था। रात को वह अपने काम से घर लौट रहा था। चौक पर पहुंचते ही किसी वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया।

### दो स्थानों से शराब मिली बेचने के आरोपी पकड़े

**रेवाड़ी।** थाना मॉडल टाउन पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छापे मारकर दो लोगों को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग अंकित किए गए हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि माजरा गुरदास निवासी पारस ढालियावास जोहड़ के पास शराब बेच रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां मौजूद एक युवक प्लास्टिक का कट्टा छोड़कर भागने लगा। पुलिस ने पीछा करते हुए उसे काबू कर लिया। कट्टे से 53 पव्वे शराब बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही काबू कर लिया।

### शराब पिलाने के आरोप में होटल मालिक काबू

**कोसली।** होटल पर अवैध रूप से शराब पिलाने के आरोप में पुलिस ने संचालक को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार गश्त के दौरान जब पुलिसकर्मी बाईपास रोड के पास नवरत्न होटल पर पहुंचे, तो वहां होटल मालिक केबिनों में बैठाकर लोगों को शराब पिला रहा था। होटल मालिक भाकली निवासी धर्मेंद्र से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह शराब पीने वाले लोगों को खाद्य सामग्री उपलब्ध कराता है। उससे शराब पिलाने का परमिट दिखाने को कहा, तो उसने परमिट होने से मना कर दिया। पुलिस ने आरोपी को मौके पर गिरफ्तार कर लिया।

### औद्योगिक एरिया के सेक्टर-7 के पास खाली पड़ी जमीन

# रात के अंधेरे में डाल रहे केमिकल कचरा आग लगने से कंपनियों में मचा हड़कंप

रेवाड़ी। सेक्टर-7 के पास खाली जमीन पर कचरे में लगी आग व आग लगने पर पहुंची फायर ब्रिगेड व जमा लोग। *फोटो: हरिभूमि*

**फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर पाया काबू, यहां कचरे में आग लगने की घटनाएं होती रहती हैं आए दिन**

हरिभूमि न्यूज ⏭बावल

औद्योगिक एरिया के सेक्टर-7 के पास खाली जमीन पर रातों-रात फैक्ट्रियों के केमिकल का कचरा डाला जाता है। इस कचरे में लगने वाली आग आसपास की कंपनियों के लिए मुसीबत बन जाती है। सोमवार दोपहर बाद केमिकल के कचरे में लगी आग से हड़कंप मच गया। आसमान में धुआं का गुब्बार छा गया। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने मौके पर जाकर आग पर काबू पाया। चिराहड़ा गांव के पास सरकारी खाली जमीन पड़ी हुई है। फैक्ट्री मालिक रात के समय इस जमीन पर कचरा डालते हैं। इसमें केमिकल का वेस्ट भी शामिल होता है, जिसमें आग लग जाती है। कचरा डालने वालों पर रोक लगाने की जिम्मेदारी एचएसआईआईडीसी की है, परंतु निगम की ओर से ऐसे लोगों के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। इस जगह पर डाले जाने वाले कचरे में अक्सर आग लगती रहती है। सोमवार को भी दोपहर बाद केमिकल के कचरे में आग लग गई।

**औद्योगिक क्षेत्र में हादसे की आशंका**

कई कंपनी प्रबंधकों का कहना है कि खाली जगह पर रात के समय कचरा डाला जाता है। कचरे में केमिकल वेस्ट भी होता है, जिसमें कभी भी आग लग सकती है। आए दिन यहां कचरे में आग लगने की घटनाएं होती रहती हैं। इससे आसपास की कंपनियों तक आग पहुंचने की आशंका बनी रहती है। संबंधित विभाग या निगम की ओर से ऐसे लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

**आसमान में फैला धुआं**

आसमान में धुआं फैलते ही आसपास की कंपनियों में हड़कंप मच गया। कंपनी कर्मचारियों को भी आग पर काबू पाने के लिए लगाया गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंच गए। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर काबू पाया।

रेवाड़ी। समाधान शिविर में आमजन की शिकायतें सुनते डीसी अभिषेक मीणा।

# समाधान शिविर गुड गवर्नेंस का उदाहरण

- बावल व कोसली एसडीएम कार्यालय में सप्ताह में दो दिन सोमवार व वीरवार को आयोजित किए जा रहे: डीसी अभिषेक

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि हरियाणा सरकार के समाधान शिविर गुड गवर्नेंस का सशक्त उदाहरण बन रहे हैं। जिला मुख्यालय सहित उपमंडल स्तर के समाधान शिविर बावल व कोसली एसडीएम कार्यालय में सप्ताह में दो दिन सोमवार व वीरवार को आयोजित किए जा रहे हैं। सोमवार को डीसी अभिषेक मीणा ने एडीसी अनुपमा अंजलि सहित अन्य विभागाध्यक्षों के साथ लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित समाधान शिविर में शिकायतों का निपटारा करते हुए लोगों को राहत पहुंचाई। डीसी मीणा ने कहा कि समाधान शिविर का मुख्य उद्देश्य जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है। शिविर के माध्यम से नागरिकों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते बल्कि वे एक ही स्थान पर अधिकारियों से सीधे संवाद कर सकते हैं। डीसी ने कहा कि मुख्यालय स्तर पर समाधान प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है, जहां समाधान शिविर की शिकायतों की मॉनिटरिंग की जा रही है। समाधान शिविर में सीटीएम प्रीति रावत, डीएसपी जोगेंद्र शर्मा व डीआरओ प्रदीप देशवाल सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

# माताओं के सम्मान में रंगारंग कार्यक्रम

- सरस्वती स्कूल गुड़ियानी में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭कोसली

सरस्वती स्कूल गुड़ियानी में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल में माताओं के सम्मान में अनेक रंगारंग और मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया।

कार्यक्रम में बच्चों की माताओं को समर्पित नृत्य और गायन प्रस्तुतियों से सभी का मन मोहा। माताओं ने खेलों और टास्क एक्टिविटीज में प्रतिभागिता की। रस्साकसी, म्यूजिकल चेयर, बाल्टी-पानी दौड़, मां के लिए कुछ खास टास्क जैसी गतिविधियों ने न माताओं का मनोरंजन किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य धर्मवीर शर्मा ने कहा कि इस संसार में मां का स्थान सबसे ऊंचा है। चेयरपर्सन मंजूबाला ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए और सभी माताओं को स्मृति-चिन्ह भेंट किए। कार्यक्रम में सभी शिक्षक मौजूद थे।

रेवाड़ी। रस्साकसी में भाग लेते माताएं। *फोटो: हरिभूमि*

# मातृ दिवस पर भारत मां को किया याद

- लावण्या फाउंडेशन की ओर से शहीद स्मारक पर कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

लावण्या फाउंडेशन की ओर से बावल रोड स्थित शहीद स्मारक पर भारत मां को याद करते हुए व शहीदों को नमन करके मातृ दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पारिशा शर्मा, नीतू चौधरी, कृपा जैमिनी, मंजू सैनी, सुमित अरोड़ा, पवन गुप्ता, बीना अग्रवाल, स्वीटी चौधरी, प्रदीप व सागर मौजूद थे। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि सरहद पर खड़े जवानों की मां भी मां है, जो बेटे को वतन के नाम कर देती है। फाउंडेशन के प्रधान दीपक कुमार ने कहा कि अनेक माताओं ने अपने बच्चों को देश सेवा के लिए बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें अपने जीवन में मां के महत्व की याद दिलाता है। उप-प्रधान संगीता ने कहा कि मातृ दिवस एक विशेष दिन है, जो मां के स्नेह, शक्ति और बलिदान को सम्मान देने के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि मां न केवल अपने बच्चों की देखभाल करती हैं, बल्कि वे समाज में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस मौके पर सह सचिव रोहित ने लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर के जीवन परिचय से अवगत कराया।

रेवाड़ी। शहीद स्मारक पर मातृ दिवस मनाते हुए संस्था के सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

### प्रोडक्ट रेटिंग के नाम पर साइबर ठगी का आरोपी गिरफ्तार, दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया

**रेवाड़ी।** साइबर थाना पुलिस ने प्रोडक्ट रेटिंग के बदले मोटा पैसा कमाने का लालच देकर महिला को 1.16 लाख रुपये की साइबर ठगी का शिकार बनाने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। गत 28 अप्रैल को साइबर थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में खालेटा निवासी संयोगिता ने बताया था कि उसने एक महिला की टेलीग्राम आईडी पर संपर्क किया था। इसके बाद उसे प्रोडक्ट की रेटिंग करने के नाम पर मोटा पैसा कमाने का लालच दिया था। उसे अलग-अलग बैंक खातों में पैसा डालने के लिए कहा गया था। झांसे में आकर उसने पहली बार में 40 हजार रुपये, दूसरी बार में 50 हजार रुपये और तीसरी बार में 26462 रुपये बताए गए खातों नंबरों पर ट्रांसफर कर दिए। जब उसने यह राशि वापस निकालने के लिए संबंधित से संपर्क किया तो उसे 142779 रुपये और जमा कराने के लिए कहा गया। इसके बाद उसे साइबर ठगी का अहसास हुआ। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में राजस्थान के भागोरिया की ढाणी निवासी पवन कुमार सैनी को गिरफ्तार किया है। उसके बैंक खाते में महिला की ट्रांसफर की हुई राशि गई थी। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद दो दिन के रिमांड पर लिया गया है।

# नशीला पदार्थ एमडीएमए बेचते एक पकड़ा

- सीआईए स्टाफ ने पीछा करते हुए उसे काबू किया
- आरोपी के कब्जे से 1.05 ग्राम एमडीएमए बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

सीआईए ने औलांत गांव की बणी में नशीला पदार्थ मिथाइल डमेथिलीनडाइऑक्सी-एन-मेथैम्फेटामाइन यानि एमडीएमए बेचने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ खोल पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कराया गया है। सीआईए को सूचना मिली थी कि औलांत निवासी विशाल सिंह नशीला पदार्थ बेचने का धंधा करता है। वह गांव की बणी में मंदिर के पास नशीला पदार्थ बेच रहा है। सूचना मिलने के बाद सीआईए की टीम मौके पर पहुंच गई। सीआईए की गाड़ी पहुंचते ही वहां मौजूद एक युवक ने भागने का प्रयास किया। सीआईए स्टाफ ने पीछा करते हुए उसे काबू कर लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम विशाल निवासी औलांत बताया।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में नशा तस्कर। *फोटो: हरिभूमि*

**खतरनाक है एमडीएमए ड्रग**

मिथाइल डमेथिलीनडाइऑक्सी-एन-मेथैम्फेटामाइन एक खतरनाक नशीली दवा मानी जाती है। डॉक्टरों के अनुसार यह ड्रग काफी उत्तेजित होती है। इसके उपयोग का सीधा असर दिमाग पर पड़ता है, जिससे इंसान इसका आदि हो जाता है। अधिक मात्रा में ड्रग लेने की सूरत में जान तक जा सकती है।

सीआईए ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट को मौके पर बुलाकर उसकी तलाशी ली, तो उसके कब्जे से 1.05 ग्राम एमडीएमए बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। बाद में खोल थाना पुलिस के हवाले करते हुए एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज करा दिया गया। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी।

# मंगलराम बोहरा की आज 47वीं पुण्यतिथि

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

स्व. मंगलराम बोहरा।

राव मंगलराम बोहरा को समाज के हित में किए गए कार्यों के लिए सदा याद रखा जाएगा। स्व. मंगलराम बोहरा की 13 मई को 47वीं पुण्यतिथि है। मंगलवार को उनकी पुण्यतिथि पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। आज भी उन्हें देहात में लोक संस्कृति का सजग प्रहरी माना जाता है। सादा जीवन उच्च विचार की प्रतिमूर्ति के रूप में सुविख्यात रहे बोहरा ने ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा एवं समाज सेवा के रूप में अपनी खास पहचान बनाई थी। मंगलराम बोहरा का जन्म 1914 में जिले के गाव हालूहेड़ा निवासी आनंद सिंह बोहरा एवं पार्वती देवी के घर हुआ था। उनकी क्षेत्र के सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने के कारण विशेष पहचान थी। मंगलराम बोहरा ने पहले हा लू हे ड़ा , बेरलीखुर्द व मूसेपुर की संयुक्त पंचायत के सरपंच तथा बाद में रेवाड़ी ब्लॉक समिति के चेयरमैन के तौर पर राजनीति में भागीदारी भी की। राव मंगलराम के कदमों पर चलते हुए उनके छोटे जगदीश यादव ने हरियाणा में मंत्री रहते हुए अनेक रोजगार और विकास के काम कराएं। सरल स्वभाव के धनी राव मंगलराम बोहरा ने सदैव ही लोगों की भलाई के कार्य किए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

| साईज | संस्करण | विशेष छूट राशि |
|---|---|---|
| 5 X 8 सें.मी<br>10X 8 सें.मी | स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर | रु. 1500/-<br>रु. 2000/- |

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

# पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार को आवेदन 31 जुलाई तक

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा।

- 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के प्रदान किए जाते हैं

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक आवेदन किए जा सकते हैं। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि बहादुरी, खेलकूद, सोशल साइंस, विज्ञान एवं तकनीक पर्यावरण सहित आर्ट एवं कल्चर के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि हासिल करने वाले 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के प्रदान किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 के जनवरी माह में आयोजित होने वाले समारोह में राष्ट्रपति चयनित बालकों को पुरस्कृत करेंगी। अवार्ड की घोषणा 26 दिसंबर 2025 को राष्ट्रीय वीर बाल दिवस के अवसर पर की जाएगी।

डीसी ने बताया कि बाल पुरस्कार में विभिन्न श्रेणियों के तहत कुल 25 बच्चों का चयन किया जाएगा। पुरस्कारों में एक मेडल सहित प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सर्वप्रथम स्क्रीनिंग कमेटी की ओर से प्राप्त आवेदनों की छंटनी की जाएगी, उसके उपरांत फाइनल नामों का सिलेक्शन नेशनल कमेटी करेगी।

# ऑपरेशन सिंदूर की सफलता हमारे राष्ट्रीय संकल्प और एकजुटता का प्रतीक: लक्ष्मण

- रेवाड़ी, बावल व कोसली विस क्षेत्रों के विधायकों ने केंद्र के निर्णय की जमकर सराहना की

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं के पराक्रम पर गौरवमयी अनुभूति का अहसास करते हुए रेवाड़ी, बावल व को स ली विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों ने केंद्र के सकारात्मक निर्णय की सराहना की है। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी और निर्णायक नेतृत्व में देश के सशस्त्र बलों ने दुश्मन को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता हमारे राष्ट्रीय संकल्प और एकजुटता का प्रतीक है।

विधायक लक्ष्मण सिंह यादव।

उन्होंने कहा कि इस सफल सैन्य अभियान के लिए भारतीय सशस्त्र बलों को बधाई दी, जिन्होंने अपने

**वैश्विक मंच सशक्त**

बावल के विधायक डा. कृष्ण कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आज वैश्विक मंच पर एक सशक्त, स्वाभिमानी और निर्णायक राष्ट्रीय के रूप में उभरा है। आज भारत न केवल अपनी सीमाओं की सुरक्षा में सक्षम है, बल्कि विश्व के मंच पर शांति, विकास और स्थायित्व के लिए भी एक निर्णायक भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार देश की एकता, सुरक्षा और अखंडता के लिए प्रतिबद्ध है।

अदम्य साहस और रणनीतिक दक्षता से देश के दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दिया।

**कड़ा सबक सिखाया**

कोसली के विधायक अनिल यादव ने कहा कि भारतीय थल, वायु व जल सेना ने अपना पराक्रम दिखाते हुए दुश्मनों पर गहरा आघात किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आतंकवाद पर हमला करते हुए देश ने दुनिया में शांति व्यवस्था कायम रखने का संदेश दिया है। भारतीय सेनाओं ने आतंकवाद को पनाह देने वालों को कड़ा सबक सिखाने का काम किया है।